तेलंगाना का 10+2 मॉडल: इंटरमीडिएट कॉलेज खत्म, 2027-28 से कक्षा 11-12 स्कूलों में

समाचार-संदर्भ: इंडियन एक्सप्रेस और डेक्कन क्रॉनिकल, 11-12 नवंबर 2026



मौलिक प्रतीकात्मक चित्र: pcsmantra.com

खबरों में क्यों

तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने 11 नवंबर 2026 को शिक्षा विभाग की समीक्षा बैठक में एक बड़े शैक्षणिक सुधार की घोषणा की: राज्य में इंटरमीडिएट (जूनियर) कॉलेजों की व्यवस्था समाप्त होगी और अगले शैक्षणिक वर्ष (2027-28) से कक्षा 11-12 स्कूलों में ही पढ़ाई जाएँगी — यानी राज्य 10+2 मॉडल अपनाएगा।

प्रस्तावित नई संरचना

- स्कूली शिक्षा तीन चरणों में बँटेगी: प्राथमिक (नर्सरी/किंडरगार्टन से कक्षा 4), माध्यमिक (कक्षा 5-8) और वरिष्ठ माध्यमिक (कक्षा 9-12)।
- स्कूल नर्सरी से कक्षा 12 तक शिक्षा देंगे — इससे राज्य की संरचना CBSE/ICSE पैटर्न के अनुरूप हो जाएगी।
- अधिकारियों ने बताया कि कक्षा 12 तक निरंतर शिक्षा की यह व्यवस्था पहले से 18 राज्यों में लागू है।
- कक्षा 12 तक छात्र भाषा और संचार कौशल में प्रवीणता हासिल करें, इसके बाद अपनी रुचि के विषय चुनकर उसी क्षेत्र के विशेषज्ञ बनें — यह सुधार का उद्देश्य है।

बदलाव की वजह: कक्षा 10 के बाद ड्रॉपआउट

- मौजूदा व्यवस्था में लगभग 40% छात्र कक्षा 10 के बाद इंटरमीडिएट कॉलेज में दाखिला नहीं लेते; इनमें अधिकांश छात्राएँ तथा दलित, जनजाति और अल्पसंख्यक समूहों के बच्चे हैं।
- केंद्रीय विद्यालय, नवोदय विद्यालय और कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय जैसे संस्थानों में, जहाँ कक्षा 12 तक निरंतर शिक्षा मिलती है, ड्रॉपआउट दर काफी कम है।
- ITI के एडवांस्ड ट्रेनिंग सेंटर (ATC) में उन्नयन के बाद नामांकन बढ़ा — मुख्यमंत्री ने इसे निरंतरता के लाभ का उदाहरण बताया।

मौजूदा दो-स्तरीय व्यवस्था और कर्मचारियों की सुरक्षा

- अभी कक्षा 10 तक की शिक्षा स्कूल शिक्षा विभाग के अधीन है और SSC परीक्षा माध्यमिक शिक्षा बोर्ड कराता है, जबकि इंटरमीडिएट शिक्षा (कक्षा 11-12) तेलंगाना इंटरमीडिएट शिक्षा बोर्ड के अधीन अलग जूनियर कॉलेजों में होती है — यानी दो अलग बोर्ड और संस्थान।
- मुख्यमंत्री ने आश्वासन दिया कि सरकारी जूनियर कॉलेजों के प्रवक्ताओं और गैर-शिक्षण कर्मचारियों की नौकरी और सेवानिवृत्ति लाभ प्रस्तावित बदलाव से प्रभावित नहीं होंगे।

परीक्षा के लिए भेद

ये तथ्य अलग-अलग याद रखें: घोषणा 11 नवंबर 2026, मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी; लागू शैक्षणिक वर्ष 2027-28; तीन चरण (नर्सरी-4, 5-8, 9-12); कक्षा 10 के बाद लगभग 40% ड्रॉपआउट; 18 राज्यों में पहले से लागू; मौजूदा दो बोर्ड (माध्यमिक शिक्षा बोर्ड/SSC और इंटरमीडिएट शिक्षा बोर्ड); कर्मचारियों की नौकरी सुरक्षित। ध्यान दें — यह अभी घोषणा है; पाठ्यक्रम या बोर्ड विलय का औपचारिक विवरण आना बाकी है।

प्रिलिम्स परीक्षा अभ्यास प्रश्न

प्रश्न 1: तेलंगाना की प्रस्तावित शिक्षा-संरचना सुधार के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

I. नई व्यवस्था में वरिष्ठ माध्यमिक शिक्षा में कक्षा 9 से 12 शामिल होंगी।

II. सुधार 2027-28 शैक्षणिक वर्ष से लागू किया जाएगा।

III. नई व्यवस्था में इंटरमीडिएट शिक्षा के लिए अलग जूनियर कॉलेज बने रहेंगे।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-से सही हैं?

(a) केवल I और II

(b) केवल II और III

(c) केवल I और III

(d) I, II और III

उत्तर और व्याख्या

उत्तर: (a)

- कथन I सही है: तीन चरण होंगे — प्राथमिक (नर्सरी-4), माध्यमिक (5-8), वरिष्ठ माध्यमिक (9-12)।
- कथन II सही है: 10+2 व्यवस्था शैक्षणिक वर्ष 2027-28 से लागू होगी।
- कथन III गलत है: इंटरमीडिएट (जूनियर) कॉलेजों की व्यवस्था समाप्त होगी; कक्षा 11-12 स्कूलों में आएँगी।

प्रश्न 2: तेलंगाना सरकार के अनुसार मौजूदा इंटरमीडिएट व्यवस्था में कक्षा 10 के बाद लगभग कितने प्रतिशत छात्र पढ़ाई छोड़ देते हैं?

(a) लगभग 20%

(b) लगभग 30%

(c) लगभग 40%

(d) लगभग 50%

उत्तर और व्याख्या

उत्तर: (c)

लगभग 40% छात्र कक्षा 10 के बाद इंटरमीडिएट कॉलेज में दाखिला नहीं लेते; इनमें अधिकांश छात्राएँ तथा दलित, जनजाति और अल्पसंख्यक समूहों के बच्चे हैं।

पाठ्यक्रम मानचित्रण:
प्रिलिम्स: शासन और सामाजिक क्षेत्र – शिक्षा नीति, राज्य सुधार (GS-II)

संबंधित अध्ययन

- स्कूल तक की दूरी: शिक्षा के अधिकार और सुरक्षित पहुँच का सवाल

स्रोत

1. इंडियन एक्सप्रेस: तेलंगाना में इंटरमीडिएट कॉलेज खत्म, कक्षा 11-12 स्कूलों में, 12 नवंबर 2026
2. डेक्कन क्रॉनिकल: अगले वर्ष से इंटर नहीं, 10+2 मॉडल अपनाएगा तेलंगाना, 11 नवंबर 2026